विषय–पालि

कक्षा–12

इस विषय में 100 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र 3 घण्टे का होगा।

(1) गद्य––(क) महापरिनिब्बान सुत्तं (भाणवार 4 से 6 तक) 30 अंक
(ख) पालि प्रवेशिका (पाठ 19–24)

(2) पद्य––(क) धम्मपद (धम्मट्ठवग्गो, मग्गवग्गो, पाकिण्णवग्गो,निरयवग्गो) 30 अंक
(ख) चरियापिटक (दानपारमिता के अन्तर्गत छः से दस चर्चाएं)

(3) व्याकरण निबन्ध तथा अनुवाद

(प) व्याकरण–– 10 अंक

(क) शब्द रूप––निम्नांकित संज्ञाओं तथा उनके अनुरूप अन्य शब्दों के रूप

[1] पुल्लिंग––मुनि, भिक्खु

[2] स्त्रीलिंग––इत्थी

[3] नपुंसकलिंग––अट्ठि, आयु

(ख) धातु रूप––वर्तमान, भूत तथा भविष्य काल में निम्नलिखित धातुओं के रूप पठ, गम, रक्ख, पच, नम, बुध, सक, लिख, भुज, कथ, पूज।

(ग) सन्धियाँ––निम्नलिखित सूत्रों पर आधारित होंगी, परन्तु सूत्रों को कंठस्थ करना आवश्यक नहीं है।

[क] स्वर सन्धि––(1) परोक्वचि, (2) दृ ओ नं

[ख] व्यंजन सन्धि––(1) सरम्हा।

[ग] निग्गहीतं सन्धि––(1) लोपो।

(घ) समास––निम्नलिखित समासों की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण :

[1] बहुब्रीहि समास [2] द्वन्द्व समास।

(ii) निबन्ध––पालि भाषा में संक्षिप्त निबन्ध सरल सात वाक्यों में 10 अंक
भगवाबुद्धो कुसिनारा, राजा असोको, बोधगया।

(iii) अनुवाद––हिन्दी वाक्यों का पालि में रूपान्तर (अनुवाद का उद्देश्य छात्र/छात्राओं को पालि भाषा में वाक्य रचना एवं पालि भाषा के संगठन/पद्धति से परिचित कराना है)। 10 अंक

(4) पालि साहित्य का इतिहास द्वितीय बौद्ध संगीति, तृतीय बौद्ध संगीति, विनय पिटक। 10 अंक

नोट :––अनुवाद के लिये कोई पाठ्य–पुस्तक निर्धारित नहीं है।